>

Title : Regarding alleged suicide by the people during ongoing movement for statehood for Telengana region in Andhra Pradesh.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आंध्रप्रदेश में तेलेंगाना राज्य के निर्माण के लिए चल रहे आंदोलन की तरफ आकृष्ट करना चाहती हूं। चूंकि शून्यकाल में बोलने के लिए केवल तीन मिनट का समय होता है, इसलिए मैं इस मांग के इतिहास में नहीं जाना चाहूंगी, लेकिन इतना जरूर बताना चाहती हूं कि हमारी पार्टी वर्षों से इस मांग का समर्थन कर रही है। हमने अपने शासनकाल में तीन नए राज्यों छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड का निमार्ण किया था और हमारे शासनकाल के समय में ही पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व में आए थे। हम तेलेंगाना राज्य का निर्माण भी अवश्य करते, किंतु उस समय हमारा गठबंधन टीडीपी के साथ था और वह इस मांग की पक्षधर नहीं थी, इसलिए विधानसभा से कोई प्रस्ताव पारित नहीं हो पाया था। मैं आपको याद दिलाना चाहती हूं कि सन् 2004 में कांग्रेस पार्टी का समझौता टीआरएस के साथ हुआ था और उन्होंने वहां के लोगों के साथ वायदा किया था कि हम तेलेंगाना राज्य का निर्माण करेंगे, लेकिन वह वायदा उन्होंने पूरा नहीं किया। श्री प्रणब मुखर्जी की अध्यक्षता में एक समूह का गठन हुआ था और उन्होंने यह रिपोर्ट दी थी कि "The support for Telengana is very wide and overwhelming". ...(व्यवधान)

श्री के.बापीराजू (नरसापुरम): महोदया, वायदा नहीं किया था।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : ठीक है, वायदा नहीं किया था।...(व्यवधान) ठीक है, वायदा नहीं किया था, अब आप बैठ जाइए।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please address the Chair.

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष महोदया, इनके मुताबिक वायदा नहीं किया था, लेकिन प्रणब मुखर्जी जी की अध्यक्षता में समूह का गठन हुआ था, क्या इस बात से भी ये इनकार करेंगे? तब उन्होंने कहा था कि "The support for Telengana is very wide and overwhelming". लेकिन उस समय टीआरएस को अपना नाता कांग्रेस से तोड़ना पड़ा था। क्योंकि उनको लगा था कि उनके साथ विश्वासघात हुआ है। वर्ष 2004 में कांग्रेस अध्यक्षा ने यह वादा किया और यह आश्वासन दिया कि हम तेलंगाना राज्य का निर्माण करेंगे लेकिन आज मुझे यह मामला इसलिए उठाना पड़ा है कि 6 महीने यू.पी.ए. सरकार को अस्तित्व में आए हुए हो गये हैं लेकिन अभी तक कोई हरकत इस तरफ नहीं हुई है। इसलिए अब वह आंदोलन दुबारा से प्रारम्भ ही नहीं हुआ बल्कि यह आंदोलन उग्र से उग्रतर होता चला जा रहा है।

मेरे हाथ में यह 14 लोगों की सूची है और ये वो लोग हैं जिन्होंने बीते 10 दिनों में इस विषय पर आत्महत्या की है। इस सूची में 17 वर्ष का किशोर भी है, इस सूची में 22-24 वर्ष के युवा भी हैं और 35-38 साल के अधेड़ भी हैं, इसमें 55 साल के व्यक्ति भी हैं और 75 साल के वृद्ध भी हैं और इसमें एक महिला भी है। इसका अर्थ यह है कि उम्र की सीमाओं को लांघते हुए राजनैतिक दलों की सीमाओं को लांघते हुए, जातियों और मज़हबों की सीमाओं को लांघते हुए, महिला और पुरुष की सीमाओं को लांघते हुए यह आंदोलन सर्वव्यापी हो गया है। छात्रों ने मिलकर एक ज्वाइंट एक्शन कमेटी बनाई है और इस समय वे लोग 'अभी नहीं तो कभी नहीं' 'Now or Never' की लड़ाई लड़ रहे हैं। इसलिए मेरा आपसे यह कहना है कि इस समय जो आंकड़ा सदन में है, उस आंकड़े के चलते तेलंगाना राज्य का विधेयक यदि सरकार लेकर आए तो तुंत पारित हो सकता है। कांग्रेस चाहती है क्योंकि उन्होंने वादा किया था। भाजपा का समर्थन प्राप्त है और वह टीडीपी जो उस समय पक्षधर नहीं थी, वह भी पिछले चुनाव में यह कह रही है कि हम तेलंगाना चाहते हैं। इसलिए मैं चाहती हूं कि यहां संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हैं, श्री वीरभद्र जी बैठे हैं, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहती हूं कि पृथक तेलंगाना राज्य के निर्माण का विधेयक तुंत लेकर आए। लोगों की वर्षों से हो रही प्रतीक्षा समाप्त करे, लोगों की अपेक्षाएं पूरी करे और ये जो जिन्दगियां होम हो रही हैं, इन मरते हुए बच्चों और युवाओं की जिन्दगियों को बचाने का काम करें। इसीलिए आपकी अनुमति से मैंने यह विश्वास सदन के अंदर रखा है।

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, मैं इनकी बात से सहमत हूं और मैं अपने आप को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

अध्यक्ष महोदया : आप सदन के पटल पर अपना नाम भेज दीजिए।

श्री मनीष तिवारी : अध्यक्ष महोदया, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं और आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष महोदया, मैं एक बात कहना चाहती हूं कि इसी सदन के सांसद चंद्रशेखर राव इस विषय को लेकर अनशन पर बैठे हैं और डाइंग डिक्लेरेशन देकर बैठे हैं। यह बहुत गंभीर विषय है, इसलिए मैं कहना चाहती हूं कि सरकार केवल इसका संज्ञान ही न लें बल्कि इस पर तुंत कार्यवाही भी करे।

अध्यक्ष महोदया : ठीक है।